

प्रति,

मोहम्मद शाहिद,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
अल्पसंख्यक कल्याण,
देहरादून।

समाज (अल्पसंख्यक) कल्याण अनुभाग-3

देहरादून : दिनांक 29 दिसम्बर, 2014

विषय—वित्तीय वर्ष 2014-15 में जनपद हरिद्वार के ब्लॉक भगवानपुर (ग्राम सिकरीड़ा) में को-एड आईटीआई के भवन निर्माण हेतु वित्तीय स्वीकृति।

संदर्भ:

उपर्युक्त विषयक अपने पत्रांक-1142 गे.स.क./एम.एस.डी.पी./डी.पी.आर./14-15 दिनांक 12-11-2014 को संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा जनपद हरिद्वार के ब्लॉक भगवानपुर (ग्राम सिकरीड़ा) में को-एड आईटीआई के भवन निर्माण हेतु उ०प्र० राजकीय निर्माण निगम लि०, हरिद्वार द्वारा मंडित आगमन का प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया है। भारत सरकार के शासनादेश संख्या-8/2014/2013-पी०पी०-1 दिनांक 29.09.2014 की छायाप्रति संलग्न करते हुए अवगत कराना है कि भारत सरकार के शासनादेश दिनांक 29.09.2014 के साथ संलग्न परिशिष्ट-1 की तालिका के क्रमांक-2 पर महिला आईटीआई के भवन निर्माण हेतु कुल ₹ 438.95 लाख अनुमोदित करते हुए प्रथम किस्त के रूप में ₹ 219.47 लाख की धनराशि अवमुक्त की है।

इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद हरिद्वार के भगवानपुर (ग्राम सिकरीड़ा) में महिला आईटीआई के भवन निर्माण हेतु कार्यदायी संस्था 'उ०प्र० राजकीय निर्माण निगम लि०, द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव पर टी०ए०सी० द्वारा आगमन के तकनीकी परीक्षणोपरान्त सन्तुष्ट लागत ₹ 440.22 लाख (सिविल कार्य हेतु ₹ 316.66 लाख तथा अधिप्राप्ति नियमावली के अनुसार अन्य जान वाले कार्य हेतु ₹ 123.56 लाख) के क्रम में भारत सरकार द्वारा योजनानागत कार्य की अनुमोदित लागत को दृष्टिगत रखते हुये वर्तमान में ₹ 122.29 लाख उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के अनुसार + सिविल कार्य हेतु ₹ 316.66 लाख अर्थात् कुल धनराशि ₹ 438.95 लाख (रु चार करोड़ अठतीस लाख पचास हजार मात्र) की औचित्यपूर्ण धनराशि पर वित्तीय एवं प्रशासनिक अनुमोदन प्रदान करते हुये वित्तीय वर्ष 2014-15 में भारत सरकार द्वारा अवमुक्त प्रथम किस्त ₹ 219.47 लाख (रु दो करोड़ उन्नीस लाख सैतालिस हजार मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रविष्टियों के अधीन एवं किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- उक्त कार्य हेतु वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-475/XXVII(7)/2008 दिनांक 15 दिसम्बर, 2008 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर कार्यदायी संस्था से एम०ओ०यू० अवश्य हस्ताक्षरित करा लिया जाये। उक्तानुसार निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण कराकर भवन विभाग को हस्तान्तरित करा लिया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। भारत सरकार के उक्त संदर्भित पत्र, दिनांक 19.09.2014 द्वारा प्रदत्त दिशा-निर्देशों एवं एम.एस.डी.पी. गाइड लाइन्स तथा एन०सी०डी०टी० के मानकों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

2. उ0प्र0रा0नि0 निगम द्वारा एम0ओ0यू0 में निर्धारित समय के अन्तर्गत भवन कार्य प्रत्येक दशा में पूर्ण कर भवन हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पन्न करा ली जाये।
3. परीक्षण के सन्दर्भ में नियोजन विभाग से सम्बन्ध कर, परीक्षण सम्पन्न कराते हुए कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित की जायेगी एवं उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय कार्यदायी संस्था को देय सेन्टेज चार्ज से वहन किया जायेगा। गुणवत्ता परीक्षण आख्या शासन को भी प्रेषित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
4. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका बजट मैनुअल के अंतर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए। कार्य हेतु पूर्व अयमुक्त धनराशि के पूर्व संतोषजनक व्यय विषयक आख्या प्राप्त होने पर ही वर्तमान में स्वीकृत धनराशि आहरित/व्यय की जायेगी।
5. उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययता को दृष्टिगत रखते हुये नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय अन्य नई मदों में कदापि नहीं किया जायेगा। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिसके लिये स्वीकृत किया जा रहा है। आगणन में प्राविधानित व्यय करने से पूर्व उक्त हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 में निहित उपबन्धों का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जायेगा। अव्ययित अवशेष धनराशि राजकोष में जमा किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। यदि अधिप्राप्ति नियमावली के अन्तर्गत अधिक धनराशि की आवश्यकता पड़ती है तो तकनीकी शिक्षा विभाग के सुसंगत लेखा शीर्षकों/मदों से इसकी पूर्ति सुनिश्चित करायी जायेगी।
6. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृति/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से की गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
7. एक मुस्त प्राविधान के कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
8. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुये एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित किया जाय।
9. आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाये, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
10. यदि स्वीकृति राशि में स्थल विकास कार्य सम्बन्ध न हो, तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन मानचित्र गठित कर शासन से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, स्वीकृत राशि से अधिक कदापि व्यय न किया जाए।
11. कार्य की प्रगति की निरन्तर समीक्षा करते हुये कार्य को समयबद्ध ढंग से शीघ्र पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। जी0पी0 डब्लू0 फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
12. स्वीकृत उक्त धनराशि कार्यदायी संस्था को अयमुक्त करने से पूर्व प्रस्तावित योजना हेतु भूमि की उपलब्धता की पुष्टि करनी आवश्यक होगी। किसी भी दशा में भूमि उपलब्ध होने से पूर्व उक्त स्वीकृत धनराशि जारी न की जाय।
13. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-15 के लेखाशीर्षक-2250-अन्य सामाजिक सेवाएँ-800-अन्य व्यय-01-केंद्रीय आयोजनागत/केंद्र पुरोन्निधानित योजनाएँ-01-अल्पसंख्यकों हेतु मल्टी सेक्टरल विकास योजना के मानक मद-20-सहायक अनुदान/अनुदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।
14. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सख्या-257(P)/XXVII(3)/2014-15, दिनांक 24 दिसम्बर, 2014 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति तथा अलोटमेंट आई.डी. संख्या-S1412150285, दिनांक 27 दिसम्बर, 2014 के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(मोहम्मद शाहिद)
सचिव।

शामक संख्या - 1102/ XVII-3/14-07(24-MSDP)/2014 : तददिनांकित।

विषय: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

नई जलाशय, उत्तराखण्ड, देहरादून।

प्रमुख सचिव / सचिव प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन।

निदेशक, प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।

जिलाधिकारी, हरिद्वार।

महोदय, 30 प्र० रा० नि० नि० लि०, ई० 34 नेहरू कालोनी, देहरादून।

नामल अधिकारी, / उपसचिव (एम०एस०डी०पी०) उत्तराखण्ड शासन।

4/ जिला आपदाधिकारी, हरिद्वार। देहरादून

जिला अध्यक्ष कल्याण अधिकारी, हरिद्वार।

✓ एम०एस०डी० सचिवालय परिसर।

विमर्शार्थ आवेग पुस्तिका।

आज्ञा से,

(सुनीलश्री पाथरी)
संयुक्त सचिव।